Isa

Chapter 51

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Hebrew	Hindi	Strong's
שִׁמְעוּ	सुनो	H8085
אֵלַי	मेरी-ओर	H0413
רֹדְפֵי	ढूंढने-वालो	H7291
צֶדֶק	धार्मिकता-को	H6664
מְבַקְשֵׁי	खोजने-वालो	H1245
יְהוָה	यहोवा-को	H3068
הַבִּיטוּ	देखो	H5027
אֶל־	–	H0413
צוּר	चट्टान-की-ओर	H6697
חֻצַּבְתֶּם	जिससे-तुम-काटे-गए	H2672
וְאֶל־	और--	H0413
מַקֶּבֶת	गढ़े	
בּוֹר	गड्ढे-के	
נֻקַּרְתֶּם׃	जिससे-तुम-खोदे-गए	H5365

> “तुममें से कुछ लोग उत्तम जीवन जीने का कठिन प्रयत्न करते हो। तुम सहायता पाने को यहोवा के निकट जाते हो। मेरी सुनो। तुम्हें अपने पिता इब्राहीम की ओर देखना चाहिये। इब्राहीम ही वह पत्थर की खदान है जिससे तुम्हें काटा गया है।

2

Hebrew	Hindi	Strong's
הַבִּיטוּ	देखो	H5027
אֶל־	–	H0413
אַבְרָהָם	अब्राहम-की-ओर	H0085
אֲבִיכֶם	तुम्हारे-पिता	H0001
וְאֶל־	और--	H0413
שָׂרָה	साराह-की-ओर	H8283
תְּחוֹלֶלְכֶם	जिसने-तुम्हें-जन्म-दिया	
כִּי־	क्योंकि-	
אֶחָד	एक	H0259
קְרָאתִיו	मैंने-उसे-बुलाया	H7121
וַאֲבָרְכֵהוּ	और-मैंने-उसे-आशीर्वाद-दिया	H1288
וְאַרְבֵּהוּ׃	और-मैंने-उसे-बहुगुणा-किया	
ס	:	

> इब्राहीम तुम्हारा पिता है और तुम्हें उसी की ओर देखना चाहिये। तुम्हें सारा की ओर निहारना चाहिये क्योंकि सारा ही वह स्त्री है जिसने तुम्हें जन्म दिया है। इब्राहीम को जब मैंने बुलाया था, वह अकेला था। तब मैंने उसे वरदान दिया था और उसने एक बड़े परिवार की शुरूआत की थी। उससे अनगिनत लोगों ने जन्म लिया।”

3

Hebrew	Hindi	Strong's
כִּי־	क्योंकि-	
נִחַם	शांत्वना-दी	H5162
יְהוָה	यहोवा-ने	H3068
צִיּוֹן	सियोन-को	H6726
נִחַם	शांत्वना-दी	H5162
כָּל־	सब-	H3605
חָרְבֹתֶיהָ	उसके-खंडहरों-को	H2723
וַיָּשֶׂם	और-उसने-बनाया	
מִדְבָּרָהּ	उसके-जंगल-को	
כְּעֵדֶן	अदन-की-तरह	
וְעַרְבָתָהּ	और-उसके-मैदान-को	H6160
כְּגַן־	बाग़-	H1588
יְהוָה	यहोवा-के	H3068
שָׂשׂוֹן	आनंद	H8342
וְשִׂמְחָה	और-खुशी	H8057
יִמָּצֵא	पाई-जाएगी	H4672
בָּהּ	उसमें	
תּוֹדָה	धन्यवाद	H8426
וְקוֹל	और-आवाज़	
זִמְרָה׃	गीत-का	H2172
ס	:	

> सिय्योन पर्वत को यहोवा वैसे ही आशीर्वाद देगा। यहोवा को यरूशलेम और उसके खंडहरों के लिये खेद होगा और वह उस नगर के लिये कोई बहुत बड़ा काम करेगा। यहोवा रेगिस्तान को बदल देगा। वह रेगिस्तान अदन के उपवन के जैसे एक उपवन में बदल जायेगा। वह उजाड़ स्थान यहोवा के बगीचे के जैसा हो जाएगा। लोग अत्याधिक प्रसन्न होंगे। लोग वहाँ अपना आनन्द प्रकट करेंगे। वे लोग धन्यवाद और विजय के गीत गायेंगे।

4

Hebrew	Hindi	Strong's
הַקְשִׁיבוּ	कान-लगाओ	H7181
אֵלַי	मेरी-ओर	H0413
עַמִּי	हे-मेरे-लोगो	
וּלְאוּמִּי	और-मेरी-जाति	H3816
אֵלַי	मेरी-ओर	H0413
הַאֲזִינוּ	कान-दो	H0238
כִּי	क्योंकि	
תוֹרָה	व्यवस्था	H8451
מֵאִתִּי	मुझसे	H0854
תֵצֵא	निकलेगी	H3318
וּמִשְׁפָּטִי	और-मेरा-न्याय	H4941
לְאוֹר	प्रकाश-के-लिए	H0216
עַמִּים	लोगों-का	
אַרְגִּיעַ׃	मैं-स्थिर-करूंगा	

> “हे मेरे लोगों, तुम मेरी सुनो! मेरी व्यवस्थाएँ प्रकाश के समान होंगी जो लोगों को दिखायेंगी कि कैसे जिया जाता है।

Verse	Hebrew	Hindi	Strong
5	קָר֣וֹב	पास	H7138
	צִדְקִ֗י	मेरी-धार्मिकता	H6664
	יָצָ֤א	निकला	H3318
	יִשְׁעִי֙	मेरा-उद्धार	H3468
	וּזְרֹעַ֖י	और-मेरी-भुजाएं	H2220
	עַמִּ֣ים	लोगों-का	
	יִשְׁפֹּ֑טוּ	न्याय-करेंगी	H8199
	אֵלַי֙	मेरी-ओर	H0413
	אִיִּ֣ים	टापू	H0339
	יְקַוּ֔וּ	आशा-रखेंगे	
	וְאֶל־	और--	H0413
	זְרֹעִ֖י	मेरी-भुजा-पर	H2220
	יְיַחֵלֽוּן׃	वे-भरोसा-करेंगे	H3176

मैं शीघ्र ही प्रकट करूँगा कि मैं न्यायपूर्ण हूँ। मैं शीघ्र ही तुम्हारी रक्षा करूँगा। मैं अपनी शक्ति को काम में लाऊँगा और मैं सभी राष्ट्रों का न्याय करूँगा। सभी दूर—दूर के देश मेरी बाट जोह रहे हैं। उनको मेरी शक्ति की प्रतीक्षा है जो उनको बचायेगी।

Verse	Hebrew	Hindi	Strong
6	שְׂא֨וּ	उठाओ	H5375
	לַשָּׁמַ֜יִם	आकाश-की-ओर	H8064
	עֵינֵיכֶ֗ם	अपनी-आंखें	
	וְהַבִּ֣יטוּ	और-देखो	H5027
	אֶל־	–	H0413
	הָאָ֘רֶץ֮	पृथ्वी-की-ओर	H0776
	מִתַּ֒חַת֒	नीचे	H8478
	כִּֽי־	क्योंकि-	
	שָׁמַ֜יִם	आकाश	H8064
	כֶּעָשָׁ֣ן	धुएं-की-तरह	H6227
	נִמְלָ֗חוּ	गायब-हो-जाएंगे	
	וְהָאָ֙רֶץ֙	और-पृथ्वी	H0776
	כַּבֶּ֣גֶד	वस्त्र-की-तरह	
	תִּבְלֶ֔ה	पुरानी-हो-जाएगी	H1086
	וְיֹשְׁבֶ֖יהָ	और-उसके-निवासी	H3427
	כְּמוֹ־	ऐसे-	H3644
	כֵ֣ן	ही	H3654
	יְמוּת֑וּן	मर-जाएंगे	H4191
	וִישׁ֣וּעָתִי֙	परंतु-मेरा-उद्धार	H3444
	לְעוֹלָ֣ם	सदा-के-लिए	H5769
	תִּהְיֶ֔ה	होगा	H1961
	וְצִדְקָתִ֖י	और-मेरी-धार्मिकता	H6666
	לֹ֥א	नहीं	H3808
	תֵחָֽת׃	टूटेगी	H2865
	ס	:	

ऊपर आकाशों को देखो। अपने चारों ओर फैली हुई धरती को देखो, आकाश ऐसे लोप हो जायेगा जैसे धुएँ का एक बादल खो जाता है और धरती ऐसे ही बेकार हो जायेगी जैसे पुराने वस्त्र मूल्यहीन होते हैं। धरती के वासी अपने प्राण त्यागेंगे किन्तु मेरी मुक्ति सदा ही बनी रहेगी। मेरी उत्तमता कभी नहीं मिटेगी।

Verse	Hebrew	Hindi	Strong
7	שִׁמְע֤וּ	सुनो	H8085
	אֵלַי֙	मेरी-ओर	H0413
	יֹ֣דְעֵי	जानने-वालो	H3045
	צֶ֔דֶק	धार्मिकता-को	H6664
	עַ֖ם	लोगो	
	תּוֹרָתִ֣י	मेरी-व्यवस्था	H8451
	בְלִבָּ֑ם	अपने-हृदय-में	
	אַל־	मत-	H0408
	תִּֽירְאוּ֙	डरो	H3372
	חֶרְפַּ֣ת	अपमान-से	H2781
	אֱנ֔וֹשׁ	मनुष्य-के	H0582
	וּמִגִּדֻּפֹתָ֖ם	और-उनकी-गालियों-से	H1421
	אַל־	मत-	H0408
	תֵּחָֽתּוּ׃	तुम-टूटो	H2865

अरे ओ उत्तमता को समझने वाले लोगों, तुम मेरी बात सुनो। अरे ओ मेरी शिक्षाओं पर चलने वालों, तुम वे बातें सुनों जिनको मैं बताता हूँ। दुष्ट लोगों से तुम मत डरो। उन बुरी बातों से जिनको वे तुमसे कहते हैं, तुम भयभीत मत हो।

Verse	Hebrew	Hindi	Strong
8	כִּ֤י	क्योंकि	
	כַבֶּ֙גֶד֙	वस्त्र-की-तरह	
	יֹאכְלֵ֣ם	उन्हें-खा-जाएगा	H0398
	עָ֔שׁ	कीड़ा	
	וְכַצֶּ֖מֶר	और-ऊन-की-तरह	H6785
	יֹאכְלֵ֣ם	उन्हें-खा-जाएगा	H0398
	סָ֑ס	कीड़ा	H5580
	וְצִדְקָתִי֙	परंतु-मेरी-धार्मिकता	H6666
	לְעוֹלָ֣ם	सदा-के-लिए	H5769
	תִּהְיֶ֔ה	होगी	H1961
	וִישׁוּעָתִ֖י	और-मेरा-उद्धार	H3444
	לְד֥וֹר	पीढ़ी-दर-पीढ़ी	H1755
	דּוֹרִֽים׃	पीढ़ियों-के-लिए	H1755
	ס	:	

क्यों क्योंकि वे पुराने कपड़ों के समान होंगे और उनको कीड़े खा जायेंगे। वे ऊन के जैसे होंगे और उन्हें कीड़े चाट जायेंगे, किन्तु मेरा खरापन सदैव ही बना रहेगा और मेरी मुक्ति निरन्तर बनी रहेगी।”

Verse	Hebrew	Hindi	Strong
9	ע֨וּרִי	जाग	H5782
	ע֤וּרִי	जाग	H5782
	לִבְשִׁי־	पहन-	H3847
	עֹז֙	शक्ति	H5797
	זְר֣וֹעַ	भुजा	H2220
	יְהוָ֔ה	यहोवा-की	H3068
	ע֚וּרִי	जाग	H5782
	כִּ֣ימֵי	जैसे-दिनों-में	H3117
	קֶ֔דֶם	पुराने	
	דֹּר֖וֹת	पीढ़ियों	H1755
	עוֹלָמִ֑ים	युगों-के	H5769
	הֲל֥וֹא	क्या-नहीं	H3808
	אַתְּ־	तू-	
	הִ֛יא	वही	H1931
	הַמַּחְצֶ֥בֶת	काटने-वाली	H2672
	רַ֖הַב	रहब-को	H7294
	מְחוֹלֶ֥לֶת	छेदने-वाली	
	תַּנִּֽין׃	अजगर-को	

यहोवा की भुजा (शक्ति) जाग—जाग। अपनी शक्ति को सज्जित कर! तू अपनी शक्ति का प्रयोग कर। तू वैसे जाग जा जैसे तू बहुत बहुत पहले जागा था। तू वही शक्ति है जिसने रहाब के छक्के छुड़ाये थे। तूने भयानक मगरमच्छ को हराया था।

10

הֲלֹ֤וא	אַתְּ־	הִ֣יא	הַמַּחֲרֶ֣בֶת	יָ֔ם	מֵ֖י	תְּה֣וֹם	רַבָּ֑ה	הַשָּׂ֙מָה֙	מַֽעֲמַקֵּי־
क्या-नहीं	तू-	वही	सुखाने-वाली	समुद्र-को	पानी-को	गहराई-के	बड़े	बनाने-वाली	गहराइयों-को-
H3808		H1931		H3220	H4325	H8415			H4615

יָ֔ם	דֶּ֖רֶךְ	לַעֲבֹ֥ר	גְּאוּלִֽים׃
समुद्र-के	मार्ग	पार-करने-के-लिए	छुड़ाए-गए
H3220	H1870		

> तूने सागर को सुखाया! तूने गहरे समुद्र को जल हीन बना दिया। तूने सागर के गहरे सतह को एक राह में बदल दिया और तेरे लोग उस राह से पार हुए और बच गये थे।

11

וּפְדוּיֵ֨י	יְהוָ֜ה	יְשׁוּב֗וּן	וּבָ֤אוּ	צִיּוֹן֙	בְּרִנָּ֔ה	וְשִׂמְחַ֥ת	עוֹלָ֖ם	עַל־
और-छुड़ाए-गए	यहोवा-के	लौटेंगे	और-आएंगे	सियोन	जयजयकार-के-साथ	और-आनंद	सदा-का	–
H6299	H3068	H7725	H0935	H6726	H7440	H8057	H5769	

רֹאשָׁ֑ם	שָׂשׂ֤וֹן	וְשִׂמְחָה֙	יַשִּׂיג֔וּן	נָ֖סוּ	יָג֥וֹן	וַאֲנָחָֽה׃	ס
उनके-सिर-पर	खुशी	और-आनंद	प्राप्त-करेंगे	भाग-गया	शोक	और-आह	:
	H8342	H8057	H5381	H5127	H3015	H0585	

> यहोवा अपने लोगों की रक्षा करेगा। वे सिय्योन पर्वत की ओर आनन्द मनाते हुए लौट आयेंगे। ये सभी आनन्द मग्न होंगे। सारे ही दु:ख उनसे दूर कहीं भागेंगे।

12

אָנֹכִ֧י	אָנֹכִ֛י	ה֖וּא	מְנַחֶמְכֶ֑ם	מִי־	אַ֣תְּ	וַתִּֽירְאִ֞י	מֵאֱנ֣וֹשׁ	יָמ֔וּת	וּמִבֶּן־
मैंने	मैंने	वही	तुम्हें-शांत्वना-देने-वाला	कौन-	तू	और-तूने-डरा	मनुष्य-से	जो-मरता-है	और-पुत्र-से-
H0595	H0595	H1931	H5162	H4310		H3372	H0582	H4191	

אָדָ֖ם	חָצִ֥יר	יִנָּתֵֽן׃
आदम-के	घास-की-तरह	दिया-गया
H0120		H5414

> यहोवा कहता है, “मैं वही हूँ जो तुमको चैन दिया करता है। इसलिए तुमको दूसरे लोगों से क्यों डरना चाहिए वे तो बस मनुष्य है जो जिया करते हैं और मर जाते हैं। वे बस मानवमात्र हैं। वे वैसे मर जाते हैं जैसे घास मर जाती है।”

13

וַתִּשְׁכַּ֞ח	יְהוָ֣ה	עֹשֶׂ֗ךָ	נוֹטֶ֨ה	שָׁמַ֙יִם֙	וְיֹסֵ֣ד	אָ֔רֶץ
और-तूने-भूल-गया	यहोवा-को	तेरे-बनाने-वाले-को	फैलाने-वाले-को	आकाश-को	और-नींव-रखने-वाले-को	पृथ्वी-को
H7911	H3068		H5186	H8064	H3245	H0776

וַתְּפַחֵ֨ד	תָּמִ֜יד	כָּל־	הַיּ֗וֹם	מִפְּנֵי֙	חֲמַ֣ת	הַמֵּצִ֔יק	כַּאֲשֶׁ֥ר	כּוֹנֵ֖ן	לְהַשְׁחִ֑ית
और-तूने-डरा	सदा	सब-	दिन	चेहरे-से	क्रोध-से	सताने-वाले-के	जैसे	वह-तैयार-हुआ	नाश-करने-के-लिए
H6342	H8548	H3605	H3117	H6440	H2534	H6693			H7843

וְאַיֵּ֖ה	חֲמַ֥ת	הַמֵּצִֽיק׃
और-कहां	क्रोध	सताने-वाले-का
H0346	H2534	H6693

> यहोवा ने तुम्हें रचा है। उसने निज शक्ति से इस धरती को बनाया है! उसने निज शक्ति से धरती पर आकाश तान दिया किन्तु तुम उसको और उसकी शक्ति को भूल गये। इसलिए तुम सदा ही उन क्रोधित मनुष्यों से भयभीत रहते हो जो तुम को हानि पहुँचाते हैं। तुम्हारा नाश करने को उन लोगों ने योजना बनाई किन्तु आज वे कहाँ हैं (वे सभी चले गये!)

14

מִהַ֥ר	צֹעֶ֖ה	לְהִפָּתֵ֑חַ	וְלֹא־	יָמ֣וּת	לַשַּׁ֔חַת	וְלֹ֥א	יֶחְסַ֖ר	לַחְמֽוֹ׃
जल्दी	झुका-हुआ	खोला-जाएगा	और-नहीं-	वह-मरेगा	गड्ढे-में	और-नहीं	घटेगी	उसकी-रोटी
	H6808		H3808	H4191	H7845	H3808	H2637	H3899

> लोग जो बन्दी हैं, शीघ्र ही मुक्त हो जायेंगे। उन लोगों की मृत्यु काल कोठरी में नहीं होगी और न ही वे कारागार में सड़ते रहेंगे। उन लोगों के पास खाने को पर्याप्त होगा।

15
וְאָנֹכִי और-मैं H0595
יְהוָה यहोवा H3068
אֱלֹהֶיךָ तेरा-एलोहीम H0430
רֹגַע शांत-करने-वाला
הַיָּם समुद्र-को H3220
וַיֶּהֱמוּ और-गरजती-हैं H1993
גַּלָּיו उसकी-लहरें H1530
יְהוָה यहोवा H3068
צְבָאוֹת सेनाओं-का
שְׁמוֹ׃ उसका-नाम H8034

“मैं ही यहोवा तुम्हारा परमेश्वर हूँ। मैं ही सागर को झकोरता हूँ और मैं ही लहरें उठाता हूँ।” (उसका नाम सर्वशक्तिमान यहोवा है।)

16
וָאָשִׂם और-मैंने-रखा
דְּבָרַי अपने-वचन H1697
בְּפִיךָ तेरे-मुख-में H6310
וּבְצֵל और-छाया-में H6738
יָדִי अपने-हाथ-की H3027
כִּסִּיתִיךָ मैंने-तुझे-ढका H3680
לִנְטֹעַ लगाने-के-लिए H5193
שָׁמַיִם आकाश-को H8064
וְלִיסֹד और-नींव-रखने-के-लिए H3245
אָרֶץ पृथ्वी-को H0776
וְלֵאמֹר और-कहने-के-लिए H0559
לְצִיּוֹן सियोन-से H6726
עַמִּי־ मेरे-लोग-
אָתָּה׃ तू
ס :

“मेरे सेवक, मैं तुझे वे शब्द दूँगा जिन्हें मैं तुझसे कहलवाना चाहता हूँ। मैं तुझे अपने हाथों से ढक कर तेरी रक्षा करूँगा। मैं तुझसे नया आकाश और नयी धरती बनवाऊँगा। मैं तुम्हारे द्वारा सिय्योन (इस्राएल) को यह कहलवाने के लिए कि ‘तुम मेरे लोग हो,’ तेरा उपयोग करूँगा।”

17
הִתְעוֹרְרִי जाग H5782
הִתְעוֹרְרִי जाग H5782
קוּמִי उठ
יְרוּשָׁלִַם हे-यरूशलेम H3389
אֲשֶׁר जिसने
שָׁתִית पी H8354
מִיַּד हाथ-से H3027
יְהוָה यहोवा-के H3068
אֶת־ – H0853
כּוֹס प्याला
חֲמָתוֹ उसके-क्रोध-का H2534
אֶת־ – H0853
קֻבַּעַת तलछट H6907
כּוֹס प्याला
הַתַּרְעֵלָה लड़खड़ाने-का H8653
שָׁתִית तूने-पी H8354
מָצִית׃ निचोड़-दिया H4680

जाग! जाग! यरूशलेम, जाग उठ! यहोवा तुझसे बहुत ही कुपित था। इसलिए तुझको दण्ड दिया गया था। वह दण्ड ऐसा था जैसा जहर का कोई प्याला हो और वह तुझको पीना पड़े और उसे तूने पी लिया।

18
אֵין־ नहीं-है- H0369
מְנַהֵל चलाने-वाला H5095
לָהּ उसे
מִכָּל־ सब-से- H3605
בָּנִים पुत्रों-में-से
יָלָדָה जिन्हें-उसने-जन्म-दिया H3205
וְאֵין और-नहीं-है H0369
מַחֲזִיק पकड़ने-वाला H2388
בְּיָדָהּ उसका-हाथ H3027
מִכָּל־ सब-से- H3605
בָּנִים पुत्रों-में-से
גִּדֵּלָה׃ जिन्हें-उसने-पाला H1431

यरूशलेम में बहुत से लोग हुआ करते थे किन्तु उनमें से कोई भी व्यक्ति उसकी अगुवाई नहीं कर सका। उसने पाल—पोस कर जिन बच्चों को बड़ा किया था, उनमें से कोई भी उसे राह नहीं दिखा सका।

19
שְׁתַּיִם दो H8147
הֵנָּה ये-हैं H2007
קֹרְאֹתַיִךְ तुझ-पर-आईं H7122
מִי कौन H4310
יָנוּד शोक-करेगा H5110
לָךְ तेरे-लिए
הַשֹּׁד तबाही H7701
וְהַשֶּׁבֶר और-नाश H7667
וְהָרָעָב और-अकाल H7458
וְהַחֶרֶב और-तलवार H2719
מִי कौन H4310
אֲנַחֲמֵךְ׃ तुझे-शांत्वना-देगा H5162

दो जोड़े विपत्ति यरूशलेम पर टूट पड़ी हैं, लूटपाट और अनाज की परेशानी तथा भयानक भूख और हत्याएँ। जब तू विपत्ति में पड़ी थी, किसी ने भी तुझे सहारा नहीं दिया, किसी ने भी तुझ पर तरस नहीं खाया।

20
בָּנַיִךְ तेरे-पुत्र
עֻלְּפוּ बेहोश-हुए H5968
שָׁכְבוּ पड़े-हैं H7901
בְּרֹאשׁ सिरे-पर
כָּל־ सब- H3605
חוּצוֹת गलियों-के H2351
כְּתוֹא जंगली-बैल-की-तरह H8377
מִכְמָר जाल-में
הַמְלֵאִים भरे-हुए H4392
חֲמַת־ क्रोध-से- H2534
יְהוָה यहोवा-के H3068
גַּעֲרַת डांट-से H1606
אֱלֹהָיִךְ׃ तेरे-एलोहीम-की H0430

> तेरे लोग दुर्बल हो गये। वे वहाँ धरती पर गिर पड़े हैं और वहीं पड़े रहेंगे। वे लोग वहाँ हर गली के नुक्कड़ पर पड़े हैं। वे लोग ऐसे हैं जैसे किसी जाल में फंसा हिरण हो। उन लोगों पर यहोवा के कोप की मार तब तक पड़ती रही, जब तक वे ऐसे न हो गये कि और दण्ड झेल ही न सकें। परमेश्वर ने जब कहा कि उन्हें और दण्ड दिया जायेगा तो वे बहुत कमज़ोर हो गये।

21

לָכֵן	שִׁמְעִי־	נָא	זֹאת	עֲנִיָּה	וּשְׁכֻרַת	וְלֹא	מִיָּיִן׃	ס
इसलिए	सुन-	अब	यह	हे-दुखी	और-मतवाली	और-नहीं	दाखरस-से	:
	H8085	H4994	H2063	H6041	H7937	H3808	H3196	

> हे बेचारे यरूशलेम, तू मेरी सुन। तू किसी धुत्त व्यक्ति के समान दुर्बल है किन्तु तू दाखमधु पी कर धुत्त नहीं हुआ है, बल्कि तू तो ज़हर के उस प्याले को पीकर ऐसा दुर्बल हो गया है।

22

כֹּה־	אָמַר	אֲדֹנַיִךְ	יְהוָה	וֵאלֹהַיִךְ	יָרִיב	עַמּוֹ	הִנֵּה
इस-प्रकार-	कहा	तेरे-आदोनाई-ने	यहोवा-ने	और-तेरे-एलोहीम-ने	जो-झगड़ता-है	अपने-लोगों-के-लिए	देखो
H3541	H0559	H0113	H3068	H0430	H7378		H2009

לָקַחְתִּי	מִיָּדֵךְ	אֶת־	כּוֹס	הַתַּרְעֵלָה	אֶת־	קֻבַּעַת	כּוֹס	חֲמָתִי	לֹא־	תוֹסִיפִי
मैंने-ले-लिया	तेरे-हाथ-से	-	प्याला	लड़खड़ाने-का	-	तलछट	प्याला	मेरे-क्रोध-का	नहीं-	तू-फिर-से
H3947	H3027	H0853		H8653	H0853	H6907		H2534	H3808	H3254

לִשְׁתּוֹתָהּ	עוֹד׃
उसे-पीएगी	फिर
H8354	H5750

> तुम्हारा परमेश्वर और स्वामी वह यहोवा अपने लोगों के लिये युद्ध करेगा। वह तुमसे कहता है, “देखो! मैं ‘ज़हर के इस प्याले’ (दण्ड) को तुमसे दूर हटा रहा हूँ। मैं अपने क्रोध को तुम पर से हटा रहा हूँ। अब मेरे क्रोध से तुम्हें और अधिक दण्ड नहीं भोगना होगा।

23

וְשַׂמְתִּיהָ	בְּיַד־	מוֹגַיִךְ	אֲשֶׁר־	אָמְרוּ	לְנַפְשֵׁךְ	שְׁחִי	וְנַעֲבֹרָה
और-मैं-उसे-रखूंगा	हाथ-में-	तेरे-दुख-देने-वालों-के	जो-	उन्होंने-कहा	तेरे-प्राण-से	झुक	और-हम-पार-करेंगे
	H3027	H3013		H0559	H5315	H7812	

וַתָּשִׂימִי	כָאָרֶץ	גֵּוֵךְ	וְכַחוּץ	לַעֹבְרִים׃	ס
और-तूने-बनाया	पृथ्वी-की-तरह	अपनी-पीठ	और-गली-की-तरह	पार-करने-वालों-के-लिए	:
	H0776		H2351		

> अब मैं अपने क्रोध की मार उन लोगों पर डालूँगा जो तुम्हें दु:ख पहुँचाते हैं। वे लोग तुम्हें मार डालना चाहते थे। उन लोगों ने तुमसे कहा था, ‘हमारे आगे झुक जाओ। हम तुम्हें कुचल डालेंगे!’ अपने सामने झुकाने के लिये उन्होंने तुम्हें विवश किया। फिर उन लोगों ने तुम्हारी पीठ को ऐसा बना डाला जैसे धूल—मिट्टी हो ताकि वे तुम्हें रौंद सकें। उनके लिए चलने के वास्ते तुम किसी राह के जैसे हो गये थे।”